CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-138

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सिर्फ उतना ही विनम्र बनो
जितना जरूरी हो, ...

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, शुक्रवार 23 अगस्त 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सरकार का बड़ा निर्णय

अब राय के हरेक परिवार को मिलेगी नई पहचान, बनने जा रहा यूनिक नंबर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार, के लोगों की भी अब रजिस्ट्री की जाएगी। नीतीश सरकार पहली बार सोशल रजिस्ट्री योजना लेकर आई है। इस प्रस्ताव को राय कैबिनेट से भी मंजूरी मिल गई है। इसके तहत बिहार के लोगों का अब ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा। हर परिवार और उसके सदस्यों का यूनिक नंबर (आईडी) बनेगा। इसी के जरिए उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

दरअसल, बिहार सरकार यह जानकारी लेनी चाहती है कि उनके तरफ से सूबे के अंदर जो योजना चलाई जा रही है उसका लाभ कितने लोगों तक पहुँच रहा है। ऐसे में सरकार यह योजना बनाया है कि अब राय के अंदर हरेक परिवार का एक यूनिक नंबर (आईडी) बनेगा। इससे सरकार यह ट्रैक कर सकेगी कि कौन-सा व्यक्ति किस योजना का कितना लाभ उठा रहा है। साथ ही नागरिकों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने इस फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आम नागरिकों का परिवार आधारित सोशल रजिस्टर तैयार किया जाएगा। इसके तहत लाभुकों को एक नंबर मिलेगा। इसके माध्यम से ही वे सरकारी सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। लोगों को एकीकृत पोर्टल से लोक सेवाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से यूनिफाइड सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म बिहार वन तैयार होगा।

आम नागरिकों के लिए राय सरकार द्वारा दी जाने वाली सेवाओं व योजनाओं की पात्रता एक ही डैशबोर्ड पर उपलब्ध रहेगी। बिहार वन पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को सिंगल साइन ऑन एवं सिंगल विंडो के माध्यम से आवेदन करने में सुविधा होगी। एक परिवार और उसके हर सदस्य को अलग-अलग आईडी दी जाएगी।

इसके बाद छात्रवृत्ति, पेंशन और विभिन्न सब्सिडी सहित सभी सरकारी लाभों को इसके माध्यम से भेजा जाएगा। एक बार परिवार और सदस्य आईडी तैयार हो जाने और सत्यापित हो जाने के बाद योजनाओं का फायदा तेजी से मिलने लगेगा। साथ ही इसमें फर्जीवाड़े एवं दोहराव की गुंजाइश भी कम रहेगी। इससे एक आदमी को एक सरकारी योजना का एक बार ही लाभ मिल सकेगा। क्योंकि उसकी लॉगिन आईडी में सभी योजनाओं की पूरी जानकारी रहेगी।

उधर, सोशल रजिस्ट्री का आम नागरिकों को भी खासा फायदा होने वाला है। एक बार आईडी बनने के बाद लोग अपने दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। साथ ही अलग-अलग योजनाओं के लिए आवेदन करने लिए उन्हें बार-बार दस्तावेज नहीं जमा कराने पड़ेंगे। क्योंकि सरकार के पास उस परिवार और व्यक्ति का पूरा डेटाबेस होगा।

आप मोहरे चल रहे थे..

लालू यादव को श्याम रजक ने चिट्ठी लिखकर दिया RJD से इस्तीफा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, श्याम रजक ने लगभग 4 साल बाद आरजेडी में अपनी पारी के समाप्ति की घोषणा कर दी. उन्होंने आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव को संबोधित करते हुए उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है. बता दें कि उन्होंने आरजेडी के महासचिव पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. श्याम रजक ने शायराना अंदाज में पत्र भी लिखा.श्याम रजक विधानसभा चुनाव से पहले जेडीयू आरजेडी को वाइन किया था. श्याम रजक को लेकर कई दिनों से चर्चा चल रही थी कि वह राष्ट्रीय जनता दल में छोड़ने वाले हैं. आखिरकार आखिरकार श्याम रजक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. आपको बता दें कि चार साल पहले श्याम रजक जद यू पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में आए थे.

श्याम रजक ने अपनी राजनीति की शुरुआत लालू प्रसाद यादव के साथ ही किया था. लेकिन राष्ट्रीय जनता दल छोड़ बीच में वह जनता दल यूनाइटेड में चले गए थे. फिर वह राष्ट्रीय जनता दल में लौट आए और इस बार फिर से उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल से इस्तीफा दे दिया है. इस्तीफा देने के साथ ही उन्होंने शायरी के जरिए लालू के पार्टी पर तंज भी कसा है.

जब वह जेडीयू से बतौर मंत्री पद छोड़कर आरजेडी में गए थे तो चुनाव में उन्हें लालू यादव की ओर से टिकट भी नहीं दिया गया. उन्हें पार्टी में महासचिव के अलावा और कोई दूसरा पद लंबे समय तक नहीं दिया गया. इसीलिए चर्चा है कि उन्होंने अपनी चिट्ठी में अपने साथ धोखा होने वाली बात को शायराना अंदाज में लिखा और कहा कि मैं शतरंज का शौकीन नहीं था, इसलिए धोखा खा गया. आप मोहरे चल रहे थे, मैं रिश्तेदारी निभा रहा था..

जानिए.. क्या बोले आरजेडी नेता

श्याम रजक के इस्तीफा पर आया तेजस्वी यादव का रिएक्शन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, पूर्व मंत्री और आरजेडी के वरिष्ठ नेता श्याम रजक ने आज लालू-तेजस्वी का साथ छोड़ दिया। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। श्याम रजक के इस्तीफे को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव का रिएक्शन आया है। तेजस्वी ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि इन सबसे आरजेडी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने जा रहा है।

पार्टी से सीनियर लीडर श्याम रजक के इस्तीफे पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि श्याम रजक जहां भी रहें, अछे से रहें। वह आरजेडी छोड़कर गए हैं तो गए हैं, उसमें क्या कहना है। इसपर हमको कोई बात नहीं कहना है। चुनाव आने वाला है सबलोग अपना देखता है कि कहीं जाना है या नहीं जाना है। इन सबसे आरजेडी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

दरअसल, श्याम रजक ने लालू यादव को अपना पत्र भेजा है. उसमें कहा गया है कि वे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं. श्याम रजक ने अपने पत्र में लालू के लिए एक शेर भी लिखा है- मैं शतरंज का शौकीन नहीं था, इसलिए धोखा खा गया। आप मोहरे चल रहे थे, मैं रिश्तेदारी निभा रहा था।।

जेडीयू सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक श्याम रजक एक सितंबर को जेडीयू में शामिल होंगे. दरअसल एक सप्ताह पहले श्याम रजक ने मुख्यमंत्री आवास जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की थी.

नीतीश कुमार के साथ लंबे अर्से तक काम कर चुके श्याम रजक ने फिर से जेडीयू में शामिल होने की इछा जतायी. नीतीश कुमार ने उन्हें पार्टी में शामिल करने की मंजूरी दे दी है. श्याम रजक आरजेडी के राष्ट्रीय महासचिव पद पर थे लेकिन पार्टी की मुख्यधारा से अलग कर दिये गये थे. ऐसे में उन्होंने पुराने घर में वापसी का रास्ता चुना है.

जेडीयू के एक नेता ने बताया कि श्याम रजक एक सितंबर को फिर से जेडीयू में शामिल होंगे. जेडीयू के प्रदेश कार्यालय में उनका मिलन समारोह होगा. इसमें आरजेडी के कुछ और नेता भी जेडीयू में शामिल हो सकते हैं. वैसे जेडीयू में शामिल होने को लेकर श्याम रजक की ओर से कुछ नहीं कहा जा रहा है.

बेतिया में शराब तस्कर बेखौफ!

छापा मारने पहुंची पुलिस टीम पर किया हमला, लूटकर ले गए जब्त दारू

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बेतिया, बेतिया से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां नौतन थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पंचायत के वार्ड नंबर आठ में आज सुबह शराब तस्कर पर नकेल कसने आई पुलिस पर तस्करों ने हमला कर दिया. इस घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घायल पुलिस कर्मियों का इलाज गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल बेतिया में चल रहा है.घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि आज गुरुवार को एक्साइज ड्यूटी पर पुलिस शिवराजपुर में छापेमारी करने गई. इसी दौरान शराब तस्करों ने पुलिस पर हमला बोल दिया. दोनों तरफ मारपीट शुरू हो गई. जिसमें आधा दर्जन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. जिनका इलाज बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है. हमले के बाद घटनास्थल पर नौतन थाना पुलिस भी पहुंची हुई है.इधर घटना के बाद पूरे शिवराजपुर पंचायत में दहशत का माहौल कायम है. फिलहाल शराब तस्कर फरार बताए जा रहे हैं. बेतिया उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शराब तस्कर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम नौतन में पहुंची हुई थी. इसी दौरान पुलिस टीम पर तस्कर ने हमला कर दिया. मौके पर पुलिस टीम पहुंची हुई है और लगातार शराब माफियाओं की तलाश की जा रही है.

बिहार में एक बार फिर होगी जोरदार बारिश

इन शहरों के लिए अलर्ट जारी, बाहर निकलने से पहल सावधान!

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार में पिछले 2-3 दिनों से बारिश में कमी आयी है. लेकिन, मौसम विभाग के अनुसार बिहार मे एक बार फिर से जोरदार बारिश होगी और अगले तीन दिनों तक बारिश होगी. गुरुवार को बक्सर, कैमूर समेत कई जिलों में भारी बारिश के आसार हैं जबकि वज्रपात की भी आशंका है. वहीं 23 अगस्त को भी कई जिलों में बारिश की संभावना है. *IMD* पटना की ओर से जारी पूर्वानुमान में बताया गया कि गुरुवार को गया, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास और बक्सर में भारी बारिश की संभावना है. जबकि पूर्वी चंपारण व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, जमुई, बांका, भागलपुर, नालंदा समेत कई जिलों में वज्रपात गिरने की संभावना है, जिसको लेकर अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के अनुसार बांग्लादेश के मध्य भाग में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके अगले दो दिनों में पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ने की संभावना है. इसके अलावा झारखंड में एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके कारण कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है.

बिहार में नकली दवाइयों का काला कारोबार

ब्रांड प्रोटेक्शन की रेड में गया से 50 लाख का माल बरामद

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

गया, बिहार के गया जिले में नकली दवाईयों की बड़ी खेप बरामद की गयी है। जिसकी कीमत 50 लाख रुपये बतायी जा रही है। गया जिले में धड़ल्ले से नकली दवाइयों का कारोबार चल रहा था। नकली दवा की रोकथाम के लिए काम कर रही कंपनी ब्रांड प्रोटेक्शन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के एमडी मुस्तफा हुसैन ने मुफ्फसिल थाने की पुलिस की मदद से छापेमारी कर नकली दवाइयों को जब्त किया है।

नकली दवाइयों की इतनी बड़ी खेप मिलने से पुलिस भी हैरान रह गयी। गया के मानपुर स्थित भूसंडा देवी स्थान के पास से नकली दवा और कॉस्मेटिक का सामान बरामद किया गया है जिसकी कीमत 50 लाख रूपये बतायी जा रही है। मुफ्फसिल थाने के थानेदार रघुनाथ प्रसाद ने बताया कि भूसंडा देवी स्थान स्थित संजीत कुमार विश्वकर्मा के मकान से ब्रांडेड कंपनी के नाम से जीवन रक्षक दवाएं और कॉस्मेटिक बेचा जाता था। उनके किरायेदार गया के जीबी रोड चौक निवासी अमित कुमार और उसके साथी मिलकर लंबे समय से नकली दवाइयों का कारोबार करते थे।

जब पुलिस की रेड की खबर अमित को लगी तो वो मौके से फरार हो गया। उसके अन्य साथी भी पुलिस के पहुंचने से पहले ही गायब हो गये। मामले में किसी की अभी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मुफ्फसिल थाने में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। जब्त की गयी दवाइयों में बीपी की दवा चैमरल फोर्ट टैबलेट, गैस की दवा 40 सीपला डीन वुड़ा कोस्ट, इनहेलर, हिमालया कम्पनी का फेस वॉश, औस्थलीन सिरप, डिटॉल, एंटीसेप्टिक, शुगर फ्री, गोल्ड ज़ाइडस का सिरप, स्टेमेटील टैबलेट, एभिल इंजेक्शन, शोमेंटैक्स कैनकोर 5द्वद्द, करवोफेज टैबलेट सहित कई दवाइयां बरामद की गयी है।

जिसकी बाजार मूल्य लगभग 50 लाख रुपये आंकी जा रही है। हैरानी की बात है कि लंबे समय से गया में नकली दवाइयों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था लेकिन इसकी जानकारी ना तो अधिकारियों को थी और ना ही पुलिस पदाधिकारियों को थी। लोग बाजार में बिक रहे नकली दवाइयों का सेवन कर रहे थे। नकली दवाइयों की खेप मिलने से इलाके के लोग भी हैरान हैं। इस छापेमारी से दवा कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है।